सातवें भाव में स्थित केतु का फल

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको इस वर्ष अपना चाल-चलन और व्यवहार काफी संयमित रखना होगा, अन्यथा हानि की संभावना है। दूसरों से झूठा वायदा न करें। सत्य का पालन करें।

वर्षफल में केतु का उपाय

केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) अपना चाल-चलन ठीक रखें।
(२) ४ केले ४ दिन बहते हुए पानी में बहायें।
(३) ४ नींबू ४ दिन तक जल में प्रवाहित करें।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

Sample(Male)

लाल–किताब वर्षफल

वर्ष पूर्ण – 35

(18:10:2012 - 17:10:2013)

नाम-	*Abhimanue Singh*
संस्था का नाम-	*Mindsutra Software Technologies*
पता-	*www.mindsutra.com*
	www.saarcastro.org
	mindsutra@gmail.com
फोन-	*09818193410, 09350247058*

लाल किताब लग्न कुण्डली

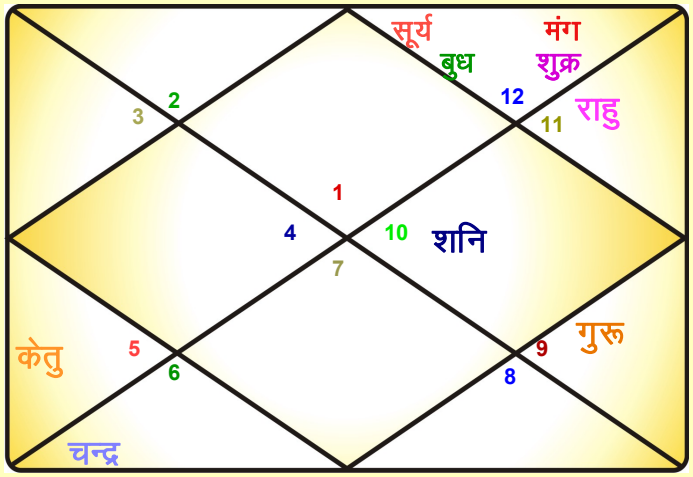

लाल किताब कुण्डली में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भावस्थ	भावेश	प्रभाव	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	द्वादश	5	राशि			हाँ	शुभ भाव में
चन्द्रमा	षष्टम्	4	राशि				अशुभ भाव में
मंगल (बद)	द्वादश	1, 8	राशि			हाँ	शुभ भाव में
बुध (बद)	द्वादश	3, 6	ग्रह				अशुभ भाव में
गुरू	नवम्	9, 12	ग्रह	हाँ			शुभ भाव में
शुक्र	द्वादश	2, 7	ग्रह			हाँ	शुभ भाव में
शनि	दशम्	10, 11	ग्रह	हाँ			शुभ भाव में
राहु	एकादश		राशि			हाँ	अशुभ भाव में
केतु	पंचम्		राशि	हाँ			शुभ भाव में

ग्यारहवें भाव में स्थित राहु का फल

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शुभ स्थिति में होकर ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आप इस वर्ष अपनी बुद्धि और मेहनत से बहुत सारा धन कमायेंगे। आपको दूसरे व्यक्तियों पर आंख मूंद कर विश्वास नहीं करना चाहिए, अन्यथा धोखा हो सकता है। इस वर्ष आप अपने पिता से अलग होकर कार्य कर सकते हैं, जिससे आप दोनों को फायदा होगा। इस वर्ष नीले और लाल रंग का प्रयोग बिल्कुल न करें।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) नीलम या नीले रंग का कोई भी रत्न इस वर्ष नहीं पहनना है और न ही अपने पास रखना है।

(२) घर में बिजली के खराब उपकरण न रखें।

(३) सिर पर चोटी रखें या सफेद टोपी से सिर ढ़क कर रखें।

तीसरे भाव में स्थित शनि का फल

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपने बन्धु-बान्धवों से विरोध का सामाना करना पड़ सकता है। अचानक धन हानि की भी संभावना है। दूसरों का व्यापार भी आपसे बुरी तरह प्राभावित हो सकता है। भाइयों से अलगाव की भी संभावना है। कुत्ते आदि जानवरों से आपको बचकर रहना चाहिए। आपको गलत तरीकों से धन नहीं कमाना चाहिए। भूमि या भवन से संबंधित किसी परेशानी का भी आपको सामना करना पड़ सकता है।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) शराब और मछली का सेवन न करें।
(२) घर की छत पर दरवाजे का चौखट न रखें।
(३) घर में बबुल या बेर का पेड़ लगायें।
(४) घर के अंत में एक अंधेरी कोठरी छोड़े।

वर्षफल कुण्डली –35

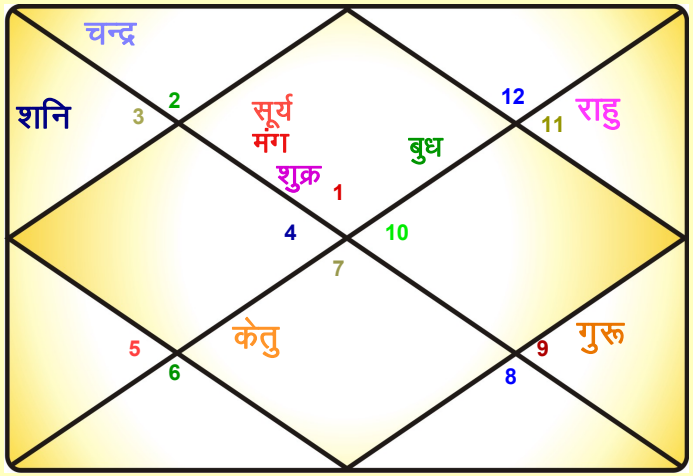

लाल किताब से वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भावस्थ	प्रभाव	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	लग्न	ग्रह				शुभ भाव में
चन्द्रमा (बद)	द्वितीय	ग्रह	हॉ		हॉ	शुभ भाव में
मंगल	लग्न	ग्रह				शुभ भाव में
बुध	लग्न	राशि	हॉ			शुभ भाव में
गुरू	नवम्	ग्रह	हॉ			शुभ भाव में
शुक्र	लग्न	राशि				अशुभ भाव में
शनि (बद)	तृतीय	राशि	हॉ			शुभ भाव में
राहु	एकादश	राशि			हॉ	अशुभ भाव में
केतु (बद)	सप्तम्	राशि			हॉ	अशुभ भाव में

पहले भाव में स्थित सूर्य का फल

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शुभ स्थिति में पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यह वर्ष आपके लिए भाग्यशाली और सर्वसिद्धिप्रद है। सूर्य के शुभ होने से आपको अनेकानेक शुभ फल प्राप्त होंगे। आपको नौकरी/कारोबार में सफलता और सरकारी कर्मचारियों का सहयोग प्राप्त होगा। आपके पुरूषार्थ में वृद्धि होगी और आपके शत्रुओं का नाश होगा। आपको व्यापारिक गतिविधियों में सफलता प्राप्त होगी। अपने व्यापार में आपको दिल से ज़्यादा दिमाग का उपयोग करना चाहिए। इस वर्ष आप एक से ज़्यादा तीर्थ यात्रायें करेंगे।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) मांस मदिरा का सेवन न करें।
(२) अपना चाल-चलन ठीक रखें।
(३) सूर्य को मीठे जल का अर्ध्य दें।

पहले भाव में स्थित शुक्र का फल

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप अपने कपड़ों और साज-सजावट पर विशेष ध्यान देंगे। आप दूसरों से प्रेमपूर्वक व्यवहार करेंगे। आप अपने हमउम्र लोगों में बहुत ज़्यादा प्रसिद्ध होंगे। इस वर्ष आपको भूमि, भवन इत्यादि की प्राप्ति भी हो सकती है। इस वर्ष आप कोई व्यापारिक योजना की शुरूआत कर सकते हैं।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) ससुराल से शुद्ध चांदी लें।
(२) अपना चाल-चलन ठीक रखें।
(३) धार्मिक क्रिया-कलापों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें।
(४) अपने बचे हुए खाने को पक्षियों या जानवरों को खिलायें।
(५) सरसो, जौ अथवा हरा चरा दान करें।

नौवें भाव में स्थित गुरू का फल

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में नौवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष धार्मिक स्थानों की यात्रा का योग है। धर्म-कर्म के कार्यों में आप बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। घर के बुजुर्ग सदस्य आपकी सहायता के लिए तत्पर रहेंगे। ज़्योतिष और आध्यात्म जैसे विषयों में आपकी रूचि बढ़ेगी। सोने-चांदी के व्यापार से विशेष लाभ हो सकता है। आप अपने किए हुए वादों को निभाने की स्थिति में होंगे।

वर्षफल में गुरू का उपाय

गुरू के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) गंगा स्नान करें।
(२) धार्मिक क्रिया-कलापों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें।
(३) अपने किऐ हुए वादों को निभायें।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

दूसरे भाव में स्थित चन्द्रमा का फल

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको नजला, मधुमेह तथा गुप्तरोगों का सामना करना पड़ सकता है। आपके मन में मांस-मदिरा और शराब का सेवन करने की तीव्र लालसा हो सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति भी गड़बड़ा सकती है तथा पुत्र से मनमुटाव हो सकता है। गलत प्रेम संबंधों के चक्कर में आपकी बदनामी हो सकती है।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) घर के मंदिर में मूर्तियों की स्थापना न करें।
(२) दस वर्ष से कम उम्र की कन्याओं को हरे रंग का कपड़ा दान करें।
(३) बुजुर्ग औरतों का आशिर्वाद लें।
(४) माता से चावल चांदी का दान लेकर अपने पास रखें।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

पहले भाव में स्थित मंगल का फल

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको लोहा, लकड़ी एवं मशीनरी इत्यादि के कारोबार से लाभ प्राप्त होगा। सामाज में आपके मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपमें उत्साह और उत्तेजना की मात्रा ज़्याद होगी। इस वर्ष आप कोई भी कार्य भव्य तरीके से करेंगे। भाई-बन्धुओं का आपको सहयोग प्राप्त होगा। आपकी बहन के लिए भी यह वर्ष शुभ फलदायी है। आपका व्यवहार बुरे लोगों के साथ भी मधुर रहेगा।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) बुरे कार्यों और झुठ बोलने से बचें।
(२) अपनी उम्र के व्यक्ति के साथ साझेदारी का कारोबार करें।
(३) मुफ्त में कोई भी उपहार न लें।
(४) हाथी दांत की वस्तुऐं अपने घर न ले आयें।
(५) यदि आपके बड़े भाई हैं तो लाल रूमाल अपने पास रखें।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

पहले भाव में स्थित बुध का फल

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यह वर्ष आपके लिए शुभ रहेगा। आप इस वर्ष नई व्यवसायिक योजनाओं का आरंभ कर सकते हैं। आपके मन में परोपकार की भावना प्रबल होगी। लोग आपकी बातो को सुनेंगे तथा विदेश यात्रा से आपको लाभ होगा। पारिवारिक झगड़ों को आप अपनी बुद्धि के बल पर सुलझा लेंगे।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) मांस-मदिरा का सेवन न करें।
(२) अपना चाल-चलन ठीक रखें।
(३) मछली का शिकार न करें।
(४) हरे कपड़े से परहेज करें।
(५) अण्डे का सेवन इस वर्ष न करें।
(६) अतिथीयों का सत्कार करें।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058